an>

Title: Need to take suitable measures to protect the crops from damage by wild animals in Kota Parliamentary Constituency, Rajasthan.

श्री ओम बिरला (कोटा) : मेरे संसदीय क्षेत्र कोटा-बूंदी सहित राजस्थान के लगभग सभी इलाकों के किसानों की प्रमुख समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं, कोटा एवं बूंदी जिले के किसान विशेषकर वन्य क्षेत्रों व विभिन्न जल स्त्रोतों के नजदीक खेती करने वाले किसान विभिन्न वन्य जीवों जिसमें प्रमुख रूप से नील गाय एवं जंगली सुअर आदि के द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाने की समस्या से ग्रसित हैं।

वर्तमान में किसान बड़ी मेहनत और लगन के साथ अपने खेत में श्रम करके फसल तैयार करता है और रात-रात भर जाग कर उस फसल की सुरक्षा में लगा रहता है। फिर भी इनके द्वारा बड़ी संख्या में आकर एक ही रात में पूरी की पूरी खड़ी फसल चौपट कर दी जाती है, जिससे क्षेत्र के किसानों को करोड़ों रूपये का नुकसान उठाने को विवश होना पड़ रहा है।

इस प्रकार की विपदा में किसान को किसी भी प्रकार की राहत न तो वन विभाग से देय है और न ही कृषि विभाग या अन्य किसी एजेंसी से सहायता मिल पाती है।

इस संबंध में केन्द्र व राज्य सरकारों के द्वारा सम्मिलित रूप से कोई ऐसी कार्ययोजना बनाना आवश्यक है जिससे वन्य जीव वन्य सीमाओं से बाहर आकर कृषि संपदा को नुकसान नहीं पहुंचाये और किसानों के खेतों को इस प्रकार के पशुओं से बचाने के लिए ऊंची व मजबूत फेंसिंग रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जाए तथा मनरेगा के अंतर्गत कृषि कार्यों के साथ खेतों पर फेंसिंग किया जाना भी सम्मिलित किया जाए।

अतः किसानों को राहत प्रदान करने हेतु मेरी आपके माध्यम से सरकार से पुरजोर शब्दों में मांग है कि किसानों की फसलों को वन्य पशुओं से सुरक्षित किए जाने व वन्य पशुओं को वन क्षेत्रों से बाहर आने से रोकने की अविलम्ब कार्ययोजना बना किसानों की फसल सुरक्षित रखने के पुख्ता उपाय किए जाए।